an>

Title: Need to provide a relief package waive off loans to affected persons in Uttarakhand which has been affected by natural calamities.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): महोदय, वÂाऩ 2013 में केदारनाथ घाटी में भयंकर जल प्रलय आई थी जिससे पूरी घाटी का सामाजिक, आर्थिक जीवन तहस-नहस हो गया था। इस भयावह त्रासदी में दस हजार से अधिक लोगों ने अपने प्राण गंवाए तथा कई हजार लोग लापता हुए थे। साथ ही इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भयंकर क्षति हुई थी। केवल पर्यटन क्षेत्र में 12 हजार करोड़ की हानि का प्राक्कलन किया गया है। आज भी वहां के लोग इस भयावह त्रासदी से उबर नहीं पाए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वहां के बस, टैक्सी, होटल एवं लॉज मालिकों से बैंकों द्वारा कर्ज वसूलने हेतु लोगों की सम्पति कुर्क की जा रही है। क्षेत्रीय लोग बैंकों के इस अमानवीय व्यवहार से त्रस्त हैं।

अत: सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि शीघ्र क्षेत्र के लिए राहत पैकेज दिया जाए, प्रभावितों के कर्ज माफ किए जाएं और राहत राशि की निगरानी को केन्द्र सरकार अपने हाथ में ले।